संख्या-144/2026/720के-2/22-3-2025-17(858)/2019

प्रेषक,

कमलेश कुमार,
उप सचिव
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-3 लखनऊः दिनांक 27 अप्रैल, 2026

विषयः- जिला कारागार, सिद्धार्थनगर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी शिवशंकर पासी पुत्र श्री सीताराम, निवासी जनपद-कुशीनगर की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने कार्यालय के पत्र संख्या-28437/प्रोवेशन-3-फार्म-ए/(एम0-07.07.2025) दिनांक-14.07.2025 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, सिद्धार्थनगर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी शिवशंकर पासी पुत्र श्री सीताराम, कस्बा–सेवरही, थाना-सेवरही, जनपद-कुशीनगर का निवासी है। दिनांक 28.04.1998 को बन्दी ने अपने 10 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर बिना लाईसेन्स के अवैध कच्ची जहरीली शराब बेचते हुए पिलाने से 33 व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध में बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-92/1998, धारा-272, 273, 328, 304 व 60/62 आबकारी अधिनियम में मा० अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुशीनगर के आदेश दिनांक 01.09.2008 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 25.07.2022 तक 15 वर्ष, 02 माह 22 दिन की अपरिहार सजा तथा 17 वर्ष, 05 माह, 19 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है एवं बन्दी की आयु 75 वर्ष, 10 माह 25 दिन है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, कुशीनगर द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी के समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड द्वारा सिद्धदोष बंदी शिवशंकर पासी पुत्र श्री सीताराम की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई पर विचार-विमर्श किया गया। प्रकरण में दिनांक 28.04.1998 को बन्दी ने अपने 10 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर बिना लाइसेंस के अवैध कच्ची जहरीली शराब बेचते हुए एवं पिलाने से 33 व्यक्तियों की मृत्यु हो जाने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा स्थानीय स्तर पर वर्तमान परिस्थितियों का सम्यक परीक्षण कर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी शिवशंकर पासी पुत्र श्री सीताराम को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

4- अतः उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, सिद्धार्थनगर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी शिवशंकर पासी (बन्दी संख्या-460/2008) पुत्र श्री सीताराम, निवासी जनपद-कुशीनगर को फार्म-ए/लाईसेंस पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज ऑन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति श्री राज्यपाल द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार बंदी के फार्म-ए/लाईसेंस पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नकः यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,
कमलेश कुमार
उप सचिव।

संख्या व दिनांक तदैवः

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- जिला मजिस्ट्रेट, कुशीनगर।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, सिद्धार्थनगर।

3- कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2, उ0प्र0 शासन।

4- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में दिनांक 10.09.2024 को पारित आदेशों के सन्दर्भ में।

5- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

शासनादेश संख्या-144/2026/720के-2/22-3-2025-17(858)/2019

दिनांक 27 अप्रैल, 2026 का संलग्नक

सरकार के आदेश

जिला कारागार, सिद्धार्थनगर में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी शिवशंकर पासी पुत्र श्री सीताराम, कस्बा–सेवरही, थाना-सेवरही, जनपद-कुशीनगर का निवासी है। दिनांक 28.04.1998 को बन्दी ने अपने 10 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर बिना लाईसेन्स के अवैध कच्ची जहरीली शराब बेचते हुए पिलाने से 33 व्यक्तियों की मृत्यु हो गयी। उक्त अपराध में बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-92/1998, धारा-272, 273, 328, 304 व 60/62 आबकारी अधिनियम में मा० अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कुशीनगर के आदेश दिनांक 01.09.2008 द्वारा आजीवन कारावास से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 25.07.2022 तक 15 वर्ष, 02 माह 22 दिन की अपरिहार सजा तथा 17 वर्ष, 05 माह, 19 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है एवं बन्दी की आयु 75 वर्ष, 10 माह 25 दिन है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, कुशीनगर द्वारा मा० उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में बन्दी के समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

प्रोबेशन बोर्ड द्वारा सिद्धदोष बंदी शिवशंकर पासी पुत्र श्री सीताराम की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई पर विचार-विमर्श किया गया। प्रकरण में दिनांक 28.04.1998 को बन्दी ने अपने 10 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर बिना लाइसेंस के अवैध कच्ची जहरीली शराब बेचते हुए एवं पिलाने से 33 व्यक्तियों की मृत्यु हो जाने का जघन्य अपराध कारित किया गया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, एवं जिला मजिस्ट्रेट द्वारा स्थानीय स्तर पर वर्तमान परिस्थितियों का सम्यक परीक्षण कर माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्दिष्ट 05 बिन्दुओं की आख्या में समयपूर्व रिहाई का विरोध किया गया है। प्रकरण से सम्बंधित ऐसा कोई तथ्य परिलक्षित नहीं है, जिसके आधार पर जिला प्रोबेशन अधिकारी, तथा जिला मजिस्ट्रेट की आख्या/संस्तुति के प्रतिकूल अवधारणा बनाई जा सके। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता एवं जघन्यता के दृष्टिगत प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट-1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी शिवशंकर पासी पुत्र श्री सीताराम को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा बंदी की फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर समयपूर्व रिहाई अस्वीकार कर दी गयी है।

कमलेश कुमार

उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in